(a) whether it is a fact that repeated incidents of food poisoning are occurring in Delhi due to the non implementation of licencing rules under Rule 49 and 50 PFA AcfRules 1954 since the last Eighteen years thereby causing great loss to public health and also huge loss of Government revenue;

(b) if so, whether it is also a fact that the Central Government has issued repeated instructions/directions to the authorities of Delhi to implement the provisions of licencing rules in the interest of public health;

(c) if so, the action proposed by Government to take further steps under Section 22(A) of PFA ActRules in view of (a) and (b) above; and

(d) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE AND MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI A. R. ANTULAY): (a) As per information recicved from the Govt, of National Capital Tcrriotry of Delhi, some cases of food poisoning have been reported in Delhi in the past. However, the same cannot be attrtibutcd to non-implementation of licensing rules.

(b) Yes, Sir.

(c) and (d) In view of a policy decision taken by the Government of National Capital Territory of Delhi to implement licensing rules, no directions under Section 22-A of PFA Act, 1954 are rcquried to be issued. Action has been separately initiated by the Govt, of National Capital Tcrritorry of Delhi to creat additional posts for the implementation of licensing rules.

Non-acceptance of Indian currency by duty free shops in Air India's international flights

384. SHRI BHUPINDER SINGH MANN: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether it is a fact that only dollars arc accepted by duty free shops in the international flights of Air India; and

(b) if so, the reasons for not accepting Indian currency during such flights?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) and (b) No, Sir. Besides the US Dollar, 20 other international currencies are accepted for duty free sales on board Air India flights. However, due to restriction imposed by the Reserve Bank of India, Indian rupee is not accepted for duty free sales.

मौलिक सुविधाओं के अभाव में डी.डी.ए.के .खाली पड़े फ़्लैट

384. **श्री कनक सिंह मोहन सिंह मंगरोला** :

श्री राजनाथ सिंह:

क्या शहरी कार्य और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मौलिक सुविधाओं के अभाव में डी.डी.ए.के कितने फ्लैट गत वर्ष के दौरान खाली पड़े हैं;

(ख) खाली पड़े डी.ड.ए.के फ्लैट किन-किन वर्गो/टाइपों के हैं और वे कहां-कहां हैं और कब से खाली पड़े हैं;

(ग) इन खाली पड़े फ्लैट के परिणामस्वरूप डी.डी.ए.को कितना वित्तीय घाटा हुआ हैं;और

(घ) सरकार इन फ्लैटों में कब तक मौलिक सुविधायें प्रदान कर देंगी ?

शहरी कार्य और रोजगार मंत्रालय शहरी रोजगार और गरीबी उन्मूलन विभाग में राज्य मंत्री (श्री एस.एस.अहलुवालिया): (क) और (ख) दिल्ली विकास प्राधिकरण ने बताया हैं कि मूलभूत सुविधाओं के अभाव में 21,511 फ्लैट खाली पड़े हैं। इन फ्लैटों को श्रेणी-वार ब्यौरा,उनकी स्थिति खाली रहने की अवधि सहित अनुलग्रक में हैं। [**देखिये परिशिष्ट** 176, **अनुपत्र सं**,16]

(ग) दिल्ली विकास प्राधिकरण ने यह भी बताया हैं कि फ्लैटों के खाली रहने से हुए नुकसान का निम्नलिखित कारण से आकलन सम्भव नहीं हैं:-

(I) बिजली मिलने की उम्मीद में बिजली रहित फ्लैटों के आबंटन की प्रक्रिया विभिन्न चरणों में शुरू हुई,लेकिन आबंटन पत्र जारी करने के बाद भी अनेक फ्लैटों में विद्युत नहीं पहुंच पाई हैं। अस्तु पूंजी अवरूद्व होने के कारण पूर्णतः विद्युत अनुफ्लब्धता नहीं माना जा सकता।

(II) दिल्ली विकास प्राधिकरण फ्लैटों के आबंटियों से मांगा गया बिक्री मूल्य मांग व आबंटन पत्र जारी करने की तारीख से जुड़ा हैं इस सूत्र में अवरूद्व पूंजी का निषेधक प्रभाव काफी कुछ बराबर हो जाता हैं।

(III) अनुलग्र में एस.एफ.एस.फ्लैट भी शामिल हैं। इन फ्लैटों का निर्माण पंजीकृत आवेदकों की वित्तीय भागीदारी से शुय किया जाता हैं अतः उनमें दिल्ली विकास प्राधिकरण की पूंजी अवरूद्व नहीं होती हैं।

(IV) अमान्य फ्लैट पुनः आवंटन पर प्रचलित मूल्यों पर बेचे जाते हैं। विहित मूल्य ह्रास को बिक्री मूल्य के भूमि घटक में वृद्वि करके हिसाब में लिया जाता हैं।

(घ) सरकार,सम्बन्धित इलाकों में बुनियादी सुविधायें मुहैया कराने की समस्याओं पद दिल्ली विकास प्राधिकरण,दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान तथा अन्य प्राधिकरणों के साथ विचार-विमर्श कर रही हैं ताकि वे सुविधाएं मुहैया कराने के लिए एक समयबद्व कार्यक्रम बनाया जा सके।

इंडियन एयरलाइन्स का घाटे में चलना

386. **श्री इकबाल सिंह**: क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच हैं कि इंडियन एयरलाइन्स को लगातार घाटा हो रहा हैं;

(ख) यदि हां,तो इस संबंध में पिछले तीन वर्ष के आंकड़े क्या हैं;और

(ग) इस घाटे को दूर करने के लिए सरकार ने अब तक कौन से ठोस उपाय किये हैं और भविष्य में ऐसा घाटा न होने के लिए सरकार द्वारा जिन प्रभावी उपायों पर विशेष बल दिया जा रहा हैं,उनका ब्यौरा क्या हैं?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाब नबी आज़ाद): (क) और (ख) 1989-90 से इंडियन एयरलाइन्स को हानि हो रही हैं। विगत तीन वर्षो के दौरान हुई हानि निम्नवत हैं:-

वर्ष	करोड़ रूपये
1992-93	195.16
1993-94	258.46
1994-95	188.73

(ग) इंडियन एयरलाइन्स की हानि को पूरा करने तथा इसके कार्य निष्पादन को सुधारने के लिए जो विभिन्न उपाय किए गए हैं उनमें मितव्ययिता के तरीके अपनाना,विमान बेड़े का बेहतर उपयोग स्वतंत्र लाभ केन्द्रों की स्थापना तथा उत्पादकता बढ़ाने हेतु प्रोत्साहन शामिल हैं।

Accident on the Koraput-rayagada Railway line

387. DR. BAPU KALDATE: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether a major accident occurred on the Koraput-Rayagada railway line barely after few hours of its inauguration by the Prime Minister 30.12.95;

(b) if so, the details thereof stating the estimated loss suffered by the Railways as a result thereof;

(c) the outcome of the inquiry conducted into the mishap;

(d) what action has been taken by Government in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SURESH KALMADI): (a) and (b) On 31.12.1995, 10 wagons of Dn. MD/OO-586 Goods train derailed between Rauli and Laliguma stations on Koraput-Ray-